



खुजेली चिड़ी

कहानी: मुकेश मालवीय
चित्र: सुबिनीता देशप्रभु



खुजेली चिड़ी

Khujeli Chidi

लेखन : मुकेश मालवीय

चित्र : सुबिनिता देशप्रभु

सम्पादकीय सहयोग : हीना परवीन

प्रथम संस्करण : 2023

मुद्रक :

लेआउट और डिजाईन : स्टेला डिजाईन ऐंड प्रिंट

प्रकाशक :

लैंग्वेज ऐंड लर्निंग फाउंडेशन

डी - 26 , एन. डी. एस. ई. पार्ट - II

फ्रंट ग्राउंड फ्लोर , नई दिल्ली - 110049

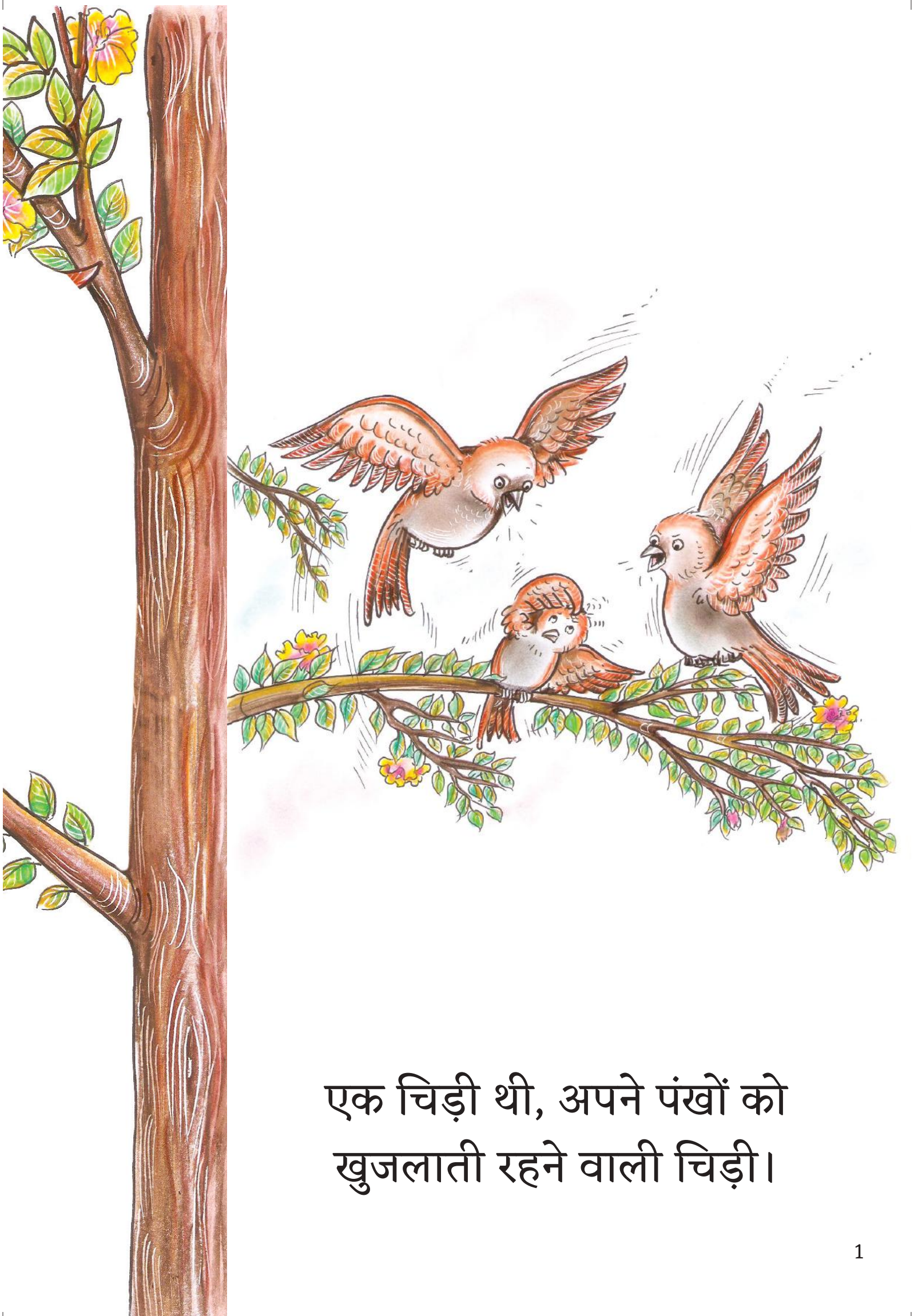
फोन - 011-41092724

ISBN 978-81-975414-2-7

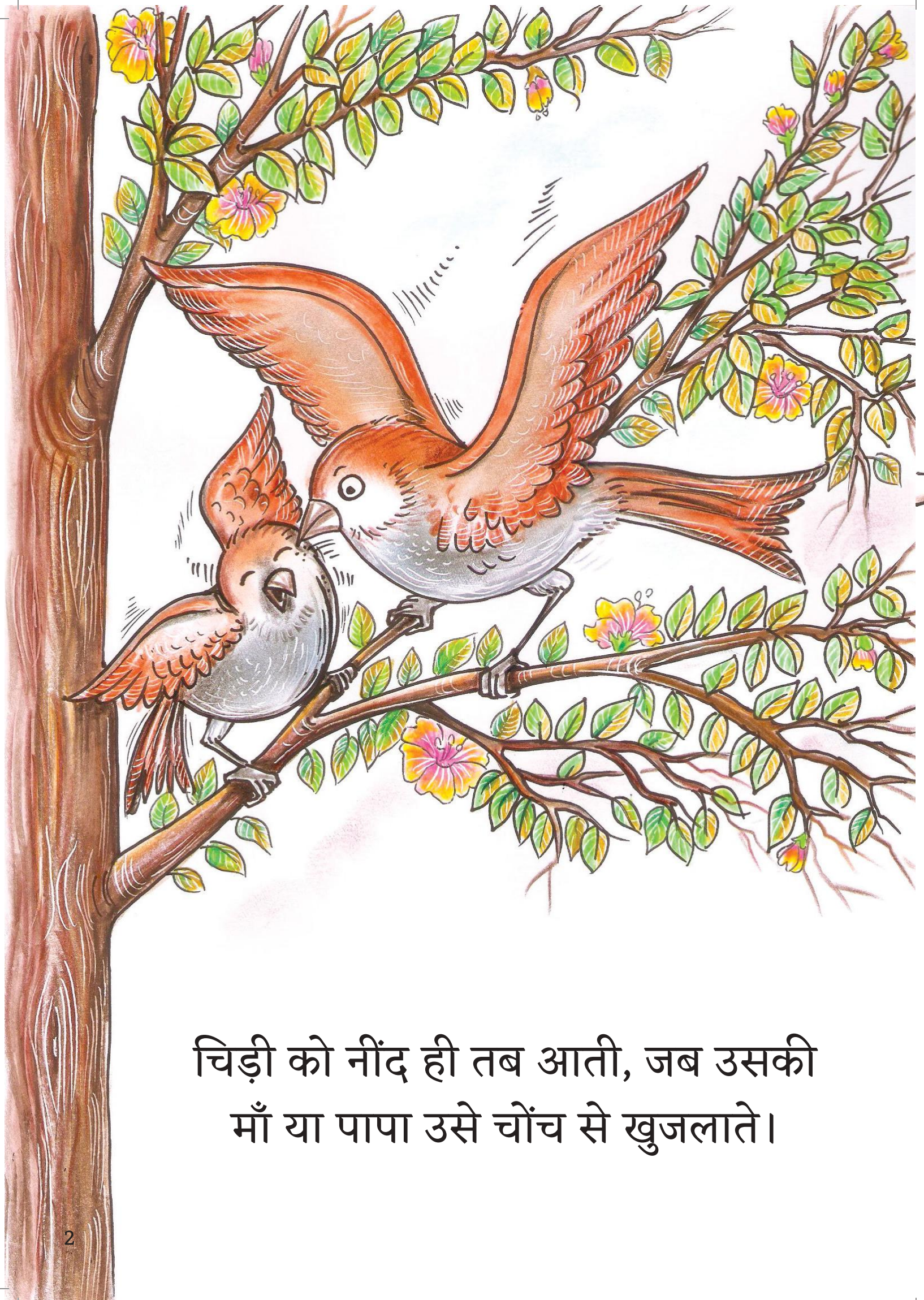


© Language and Learning Foundation

इस पुस्तक के सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। प्रकाशक की लिखित अनुमति के बाद ही इस पुस्तक के किसी भी अंश का उपयोग किया जा सकता है।



एक चिड़ी थी, अपने पंखों को
खुजलाती रहने वाली चिड़ी।



चिड़ी को नींद ही तब आती, जब उसकी
माँ या पापा उसे चोंच से खुजलाते।

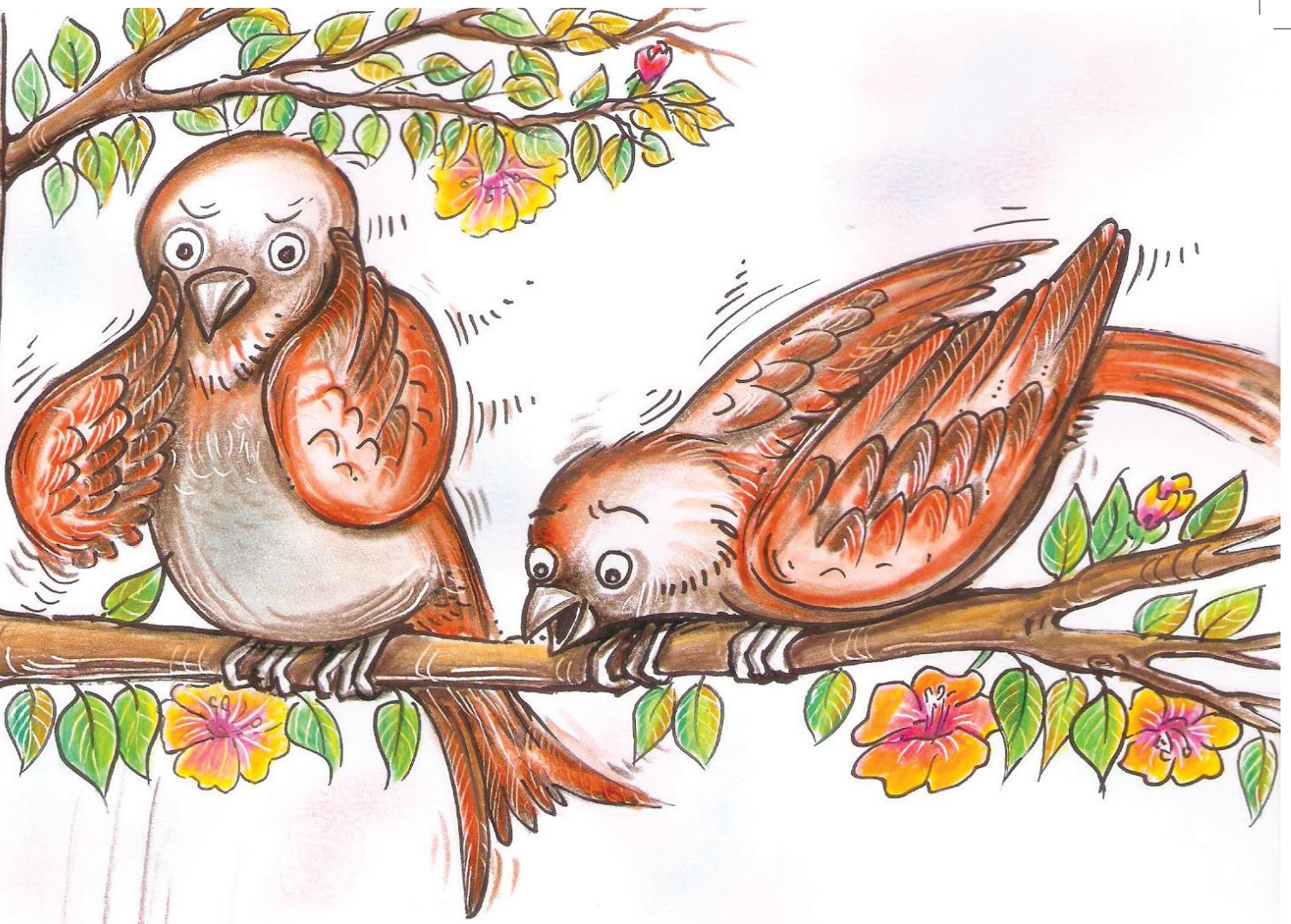


चिड़ी खाना भी तभी खाती,
जब कोई उसे खुजलाता रहे।



चिड़ी अकेली भी अपने पंख को
खुजलाती रहती।





पापा ने चिड़ी को
उड़ना सिखाना चाहा।



चिड़ी उड़ती, खुजलाती
और गिर जाती।



माँ ने पड़ोसियों से सलाह ली-
“मेरी चिड़ी की खुजलाने की आदत
कैसे छुड़वाऊँ?”



“चिड़ी को नाचना सिखाओ। चिड़ी
नाचते हुए खुजलाना भूल जाएगी।”

पर, चिड़ी ने तो खुजाऊ नाच सीखा।



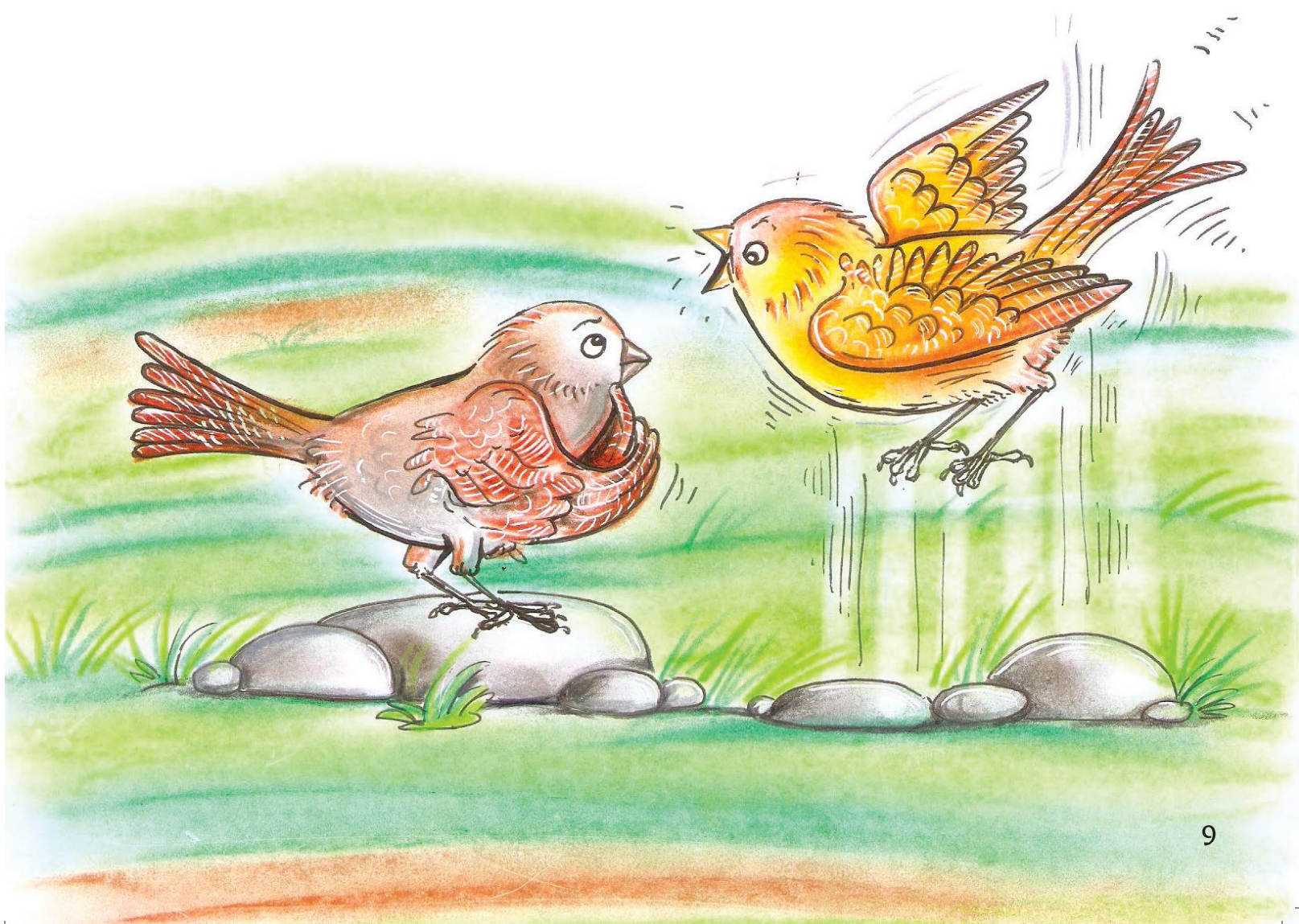


“चिड़ी को तैरना सिखाओ। तैरते हुए चिड़ी
खुजलाना भूल जाएगी।”



चिड़ी ने तैरने के साथ
खुजाते हुए डूबना सीखा।

एक दिन, खुजेली चिड़ी के पास
एक फुदकु चिड़ी आई।
और आस-पास फुदकने लगी।
खुजेली चिड़ी भी
पहले दो बार फुदकी,
फिर तीन बार खुजाया।



अब चिड़ी चार बार फुदकी,
फिर बस एक बार खुजाया।

फिर, दोनों देर तक फुदकती रहीं और
उनमें दोस्ती हो गई।



अगले दिन फुदकु चिड़ी फिर आई।
उसे देखते ही खुजेली चिड़ी फुदकने लगी।



खुशी में चिड़ी के पैर हवा में चले गए।

खुजेली गिर रही थी।

फुदकु पास में ही
पंख फड़फड़ा रही थी।
खुजेली ने भी अपने पंखों
को हिलाया... हिलाया...



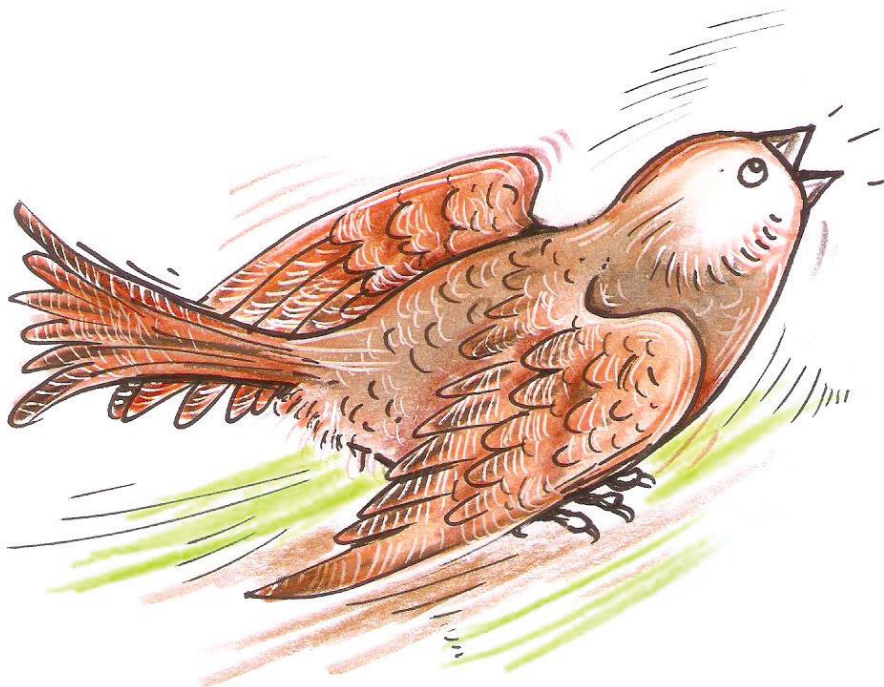
अरे! खुजेली तो उड़ रही थी। दोनों चिड़ी
देर तक उड़ना-उड़ना खेलती रहीं।



उस शाम माँ ने देखा...



खुजेली उड़ी
जा रही थी।



एक चिड़ी उड़ना नहीं सीख पा रही। उसकी माँ अपने पड़ोसियों से उड़ने के उपाय पूछती है, आजमाती है, मगर फिर भी चिड़ी उड़ना नहीं सीख पाती।
फिर एक दिन ऐसा क्या हुआ कि वह खुद से उड़ना सीख जाती है?

लैंग्वेज ऐंड लर्निंग फाउंडेशन (LLF) बच्चों में बुनियादी साक्षरता कौशल और पढ़ने की आदत के विकास के लिए कार्य करता है और इसी क्रम में बच्चों के लिए विविध प्रकार के बाल साहित्य की उपलब्धता पर ज़ोर देता है। पढ़ना सीख रहे बच्चों के लिए रोचक चित्रों के साथ बना बाल साहित्य उनके पढ़ने सीखने के सफ़र में गति उत्पन्न करता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए LLF, 5-9 साल के बच्चों के लिए उपयुक्त और रोचक बाल साहित्य की रचना कर रहा है जिसके तहत कहानी की किताबें विकसित की जा रही हैं।

LLF द्वारा प्रकाशित किताबें 5 से 9 साल तक के बच्चों को ध्यान में रखते हुए इन 3 स्तरों में रखी गई हैं।



इस किताब को BMGF द्वारा दिए गए वित्तीय सहयोग से विकसित किया गया है।